श्री नंदकुमार जी, सचिव स्कूली शिक्षा, छत्तीसगढ़ राज्य की
श्रद्धेय श्री ए0 नागराज जी, प्रणेता - मध्यस्थ दर्शन (सहअस्तित्ववाद)
से भेंट

शिक्षा के मानवीयकरण पर चर्चा एवं मानवीय शिक्षा नीति का प्रस्ताव

दिनांक 7.11.2007 स्थान : अभ्युदय संस्थान, समय : सांय 3:15 बजे
दिनांक 9.11.2007 स्थान : श्री नंदकुमार जी का निवास, समय : सांय 6:30 बजे

अन्य उपस्थित :

1. श्री रामशंकर अग्निहोत्री, अध्यक्ष, हिन्दुस्तान समाचार
2. सदस्यगण अभ्युदय संस्थान - श्री सोमदेव त्यागी, श्री अंजनी अग्रवाल, श्री समीर वाजपेयी, श्री अनिल राठौर ।

Scanned by CamScanner

मुख्य बिंदु -

1 शिक्षा का मानवीयकरण अर्थात ''मानवीय शिक्षा'' की स्थापना राज्य की शिक्षा नीति का मूलभूत उद्देश्य हो।

2 मानवीय शिक्षा का अर्थ - व्यक्ति में समाधान, परिवार में समृद्धि (अभाव का अभाव), समाज में अभय एवं प्रकृति में सह-अस्तित्व (संतुलन पूर्वक जीना) प्रमाणित करने की योग्यता प्रदान करने से है।

3 मध्यस्थ दर्शन (सहअस्तित्वाद) की रोशनी में मानवीय शिक्षा का सार्वभौम स्वरूप स्पष्ट हुआ है। साथ ही प्रचलित शिक्षा को सार्थक बनाने के लिए मानव चेतना संपन्न मूल्य शिक्षा का समावेश प्रचलित शिक्षा में आवश्यक है।

4 मूल्य शिक्षा के संबंध में मानव संसाधन मन्त्राालय भारत सरकार का मार्गदर्शन इस प्रकार है -

(अ) मूल्य शिक्षा नितांत आवश्यक है।

(ब) मूल्य शिक्षा रहस्य से मुक्त हो। तर्कपूर्ण हो, व्यवहारिक हो।

(स) मूल्य शिक्षा किसी समुदाय, सम्प्रदाय अथवा परम्परा से सीमित न हो।

(द) मूल्य शिक्षा के प्रेरणा रूप में विचार, व्यवहार, व्यवसाय, व्यवस्था में प्रमाणित होने योग्य दर्शन चाहिए।

मध्यस्थ दर्शन उपरोक्त सभी आशयों को पूरा करता है।

5 अत: राज्य में प्रचलित स्कूली शिक्षा, उच्चशिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा तथा लोक सेवा आयोग में प्रचलित प्रशिक्षुओं के साथ मानव चेतना - मूल्य शिक्षा के समावेश हेतु राज्य स्तरीय अध्ययन प्रकोष्ठ की स्थापना।

6 प्रकोष्ठ में राज्य सरकार, एवं अभ्युदय संस्थान द्वारा मनोनीत सदस्य होगें।

7 अध्ययन का अर्थ मध्यस्थ दर्शन सह अस्तित्व में पारंगत होना है।

8 मध्यस्थ दर्शन सह अस्तित्ववाद का परिचय 7 दिवसीय (पूर्ण आवासीय) जीवन विद्या शिविरों में कराया जाता है।

Scanned by CamScanner

9 शिविर के बाद जो प्रतिभागी स्वेच्छा से मध्यस्थ दर्शन में पारंगत होना चाहेंगे उन्हें 1 वर्ष अध्ययन के लिए अवसर प्रदान कराया जाएगा।

10 अध्ययन के लिए समर्पित व्यक्तियों की पहचान शिक्षा सचिव नन्दकुमार जी एवं अभ्युदय संस्थान परस्पर सहमति के आधार पर करेंगे।

11 अध्ययन का अधिकतम समय अभ्युदय संस्थान में तथा 1-1 माह के लिए **सिद्ध**' मसूरी (उत्तरांचल) एवं मानवीय शिक्षा शोध संस्थान कानपुर (उ0प्र0) भेजा जाएगा। आखिरी 15 दिन अमरकंटक में अध्ययन की परिपूर्णता को स्पष्ट करने का अवसर रहेगा। इसी प्रक्रिया से चिंतन शील शिक्षक तैयार होगें।

12 मध्यस्थ दर्शन में पारंगत सदस्य ही ''**मानवीय शिक्षा**'' को कुछ विद्यालयों में प्रयोग कर प्रमाणित करेंगें।

नोट - मानवीय शिक्षा की कक्षा 1 से 12 वीं तक पाठ्यक्रम तैयार है। पारंगत सदस्य 5 वीं से 12 वीं तक की पाठ्य पुस्तक तैयार करने का कार्य दर्शन की रोशनी में काम कर रहे संस्थानों के साथ मिलकर करेंगे।

- पारंगत सदस्य ही प्रचलित स्कूली शिक्षा में मानव चेतना संपन्न मूल्य शिक्षा के समावेश हेतु **पाठ्य पुस्तकें** तैयार करेंगे।

नोट - स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर मूल्य शिक्षा हेतु पाठ्य क्रम तैयार है।

13 तकनीकी शिक्षा में पहले से ही मानव चेतना संपन्न मूल्य शिक्षा कार्यक्रम जारी है। सरकार से अपेक्षा है कि तकनीकी शिक्षा में दर्शन में पारंगत होने के इच्छुक छात्रों को आवश्यक साधन और समय की व्यवस्था उपलब्ध हो ताकि अभ्युदय संस्थान में रहकर अध्ययन कर सकें।

Scanned by CamScanner

14 मूल्यों की शिक्षा प्रदान करने वाले अध्यापक स्वावलंबन पूर्वक जीकर उपकार विधि से (बिना वेतन के) शिक्षण कार्य को संपन्न करेंगे इस हेतु शासन विद्यालय में ही अध्यापक के स्वावलम्बी होने के लिए साधन उपलब्ध कराये।

अत: सबसे पहला व अति महत्वपूर्ण कार्य ऐसे लोगों का देश भर में चयन करना जो पहले से ही शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन के लिए प्रयासरत है। साथ ही किसी भी संस्था में उपरोक्त सभी प्रयोग सफल होने के लिए संस्थाप्रमुख की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

15 शिक्षा सत्र 2008-2009 से समस्त शिक्षकों के प्रशिक्षण (पीजीबीटी एवं बीटी) में

लाभोन्मादी अर्थशास्त्र के साथ - साथ आवर्तनशील अर्थशास्त्र

भोगोन्मादी समाजशास्त्र के साथ - साथ व्यवहारवादी समाजशास्त्र

कामोन्मादी मनोविज्ञान के साथ - साथ मानव संचेतनावादी मनोविज्ञान

का अध्ययन शुरू कराया जाये। इस हेतु सत्र प्रारंभ होने के पहले वहां के सभी शिक्षकों को पारंगत बनाया जाए।

प्रस्तुतकर्ता

अंजनी अग्रवाल
अभ्युदय संस्थान, अछोटी
जिला दुर्ग (छ0ग0)

सोमदेव त्यागी
अभ्युदय संस्थान, अछोटी
जिला दुर्ग (छ0ग0)

Scanned by CamScanner